



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 136]  
No. 136]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 7, 1978/आषाढ़ 16, 1900  
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 7, 1978/ASADHA 16, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना संख्या 1—पी-आर-एन पी/78

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1978

1978-79 की आयात-निर्यात प्रोसीजर की हेन्ड बुक के अध्याय 10 के अनुच्छेद 218 और 219 के अनुसार, भारत सरकार सूचना और प्रसारण मंत्रालय में समाचार पत्रों/नियतकालिक पत्रों के लिए हकदारी का आधार एतद्वारा अधिसूचित करता है। हकदारी का आधार इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक I से III में अन्तर्विष्ट किया गया है तथा यह 1 अप्रैल, 1978 से 31 मार्च, 1979 तक लागू रहेगी।

1978-79 के अखबारी कागज आवंटन नीति

### अनुलग्नक I

#### 1—हकदारी

1.1 किसी समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र की अखबारी कागज की हकदारी 1977-78 में उसकी अखबारी कागज अथवा सफेद प्रिंटिंग कागज अथवा दोनों की खपत में 5 प्रतिशत वृद्धि पर आधारित होगी।

1.2 जबकि ऊपर निकासी गई हकदारी आधारभूत कोटा होगी, समाचार-पत्र नियतकालिक-पत्र के लिए अर्थात् खपत पर आधारित अतिरिक्त आवंटन हेतु आवेदन करने का रास्ता खुला रहेगा। ऐसे आवेदन-पत्रों पर वर्ष में दो बार विचार किया जाएगा। आवेदन पत्र अर्थात् खपत के चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट के प्राण-पत्र के साथ भेजना चाहिए। अतिरिक्त आवंटन अखबारी कागज उपलब्ध होने की दशा में किया जाएगा।

1.3 अगर जांच करने पर समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र का सरकूलेशन दावे से कम पाये जाने पर हकदारी का तबनुसार पुन निर्धारण किया जाएगा।

1.4 उस समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र के लिए कोटा मंजूर नहीं किया जाएगा जो किसी भी समय कहे जाने पर कुछ भी सरकूलेशन प्रमाणित करने में असमर्थ है, तथा जारी किया गया अखबारी कागज भी वापिस करना पड़ेगा।

1.5 समाचार-पत्रों/नियतकालिक पत्रों के लिए मानक अखबारी कागज और नेपा अखबारी कागज की हकदारी का हिसाब 53 ग्राम पत्रों पर 5 प्रतिशत जोड़कर या घटाकर लगाया जाएगा। समाचार-पत्र नियतकालिक-पत्र की हकदारी नेपा अखबारी कागज में दिए जाने पर उसमें 15 प्रतिशत बढ़ोतरी की जाएगी।

#### 2—आवंटन

2.1 सभी श्रेणियों-स्टैंडर्ड, रोटी तथा ग्लेज का आवंटन केवल रीलों में किया जाएगा। जो समाचार-पत्र रीलों को काटकर सीटों में बदलते हैं उनको रीलों को सीटों में बदलने के लिए 10 प्रतिशत की दर से अतिरिक्त मात्रा दी जाएगी। यह लाभ केवल उन समाचार-पत्रों को मिलेगा जो इस बात का प्रमाण देगे कि छपाई केवल सीटों में हुई है।

2.2 जो नियतकालिक-पत्र तीन महीने से अधिक अस्तित्व में हैं, उनकी पूरी हकदारी का दावा या उसका एक हिस्सा, ग्लेज या रोटी-आवर अखबारी कागज में दिया जायेगा बशर्ते कि वह उपलब्ध हो।

2.3 देशी और आयातित अखबारी कागज के बटवारे का आधार निम्न प्रकार होगा —

(1) 400 मीट्रिक टन तक की हकदारी वाले समाचार-पत्रों को अपनी जरूरत का अखबारी कागज किसी भी अनुपात में

नेपा या आयात से—दोनों हाई-सी-सेल्स तथा बफर में लेने का विकल्प होगा।

(II) (अ) 400 मीट्रिक टन से अधिक हकदारी वाले समाचार-पत्रों को उनकी हकदारी का 15 प्रतिशत नेपा से लेना अनिवार्य होगा।

(ब) शेष मात्रा राज्य व्यापार निगम के परामर्श से आयातित अखबारी कागज—हाई-सी-सेल्स या बफर से समाचार-पत्र की आवश्यकता अनुमान पूरी की जाएगी। अखबारी कागज का कुछेक भंडार बफर से उठाने की अनिवार्यता नहीं होगी। (फिर भी इस व्यवस्था की सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा छः महीने की अवधि के पश्चात् समीक्षा की जाएगी)

यथावत् आर्डर अखबारी काग की उपलब्धि पर निर्भर होगा और उसमें कमी होने की वशा में उचित कटौती की जाएगी। भारत के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार नेपा तथा आयातित अखबारी कागज के अनुपात में समय-समय पर उपलब्धि/स्टाक को दृष्टि में रखते हुए परिवर्तन भी कर सकते हैं। समाचार पत्रों/नियतकालिक पत्रों को नेपा अखबारी कागज उन आकारों में लेना पड़ेगा जो उपलब्ध कराये जायें।

2.4 नए समाचार पत्रों/नियतकालिक पत्रों को उनकी माँग के अनुसार अखबारी कागज दिया जायेगा। लेकिन अधिकतम शुरू की मात्रा का कोटा बार महीने के लिए होगा जो कि दैनिकों के मामले में 8 स्टैण्डर्ड पृष्ठों की 10,000 प्रतियों के प्रसार तथा नियतकालिक पत्रों के मामले में 16 स्टैण्डर्ड पृष्ठों की 10,000 प्रतियों के सर्कुलेशन के हिसाब पर लगाया जाएगा। समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र प्रथम तीन महीने के अखबारी कागज की खपत के निष्पादन विवरण प्रेषित करने पर अधिक अखबारी कागज के आर्डर के लिए निवेदन कर सकते हैं। वह इससे भी पहले और अखबारी कागज के लिए निष्पादन विवरण के साथ निवेदन कर सकते हैं यदि वह तीन महीने की अवधि समाप्त होने से पहले शुरू के कोटे की खपत कर लेते हैं। वर्तमान समाचार पत्र, जिन्होंने 1977-78 के अखबारी कागज के लिए आवेदन नहीं किया है या जिसका 1977-78 के दौरान अखबारी कागज का कोटा नहीं दिया गया था उनको नया समाचार पत्र माना जाएगा और इसी प्रकार उनका निरूपण किया जाएगा।

### 3. छीजन

3.1 बंबई, कलकत्ता, कोचीन और मद्रास “जहाँ राज्य व्यापार निगम के गोदाम हैं” से प्रकाशित होने वाले समाचारपत्रों को परिवहन और/या मशीन रूम में छीजन के लिए आयातित कागज की क्षतिपूर्ति के लिए 8 प्रतिशत, उन राज्यों से जहाँ ये बार बन्दरगाह, स्थित हैं प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों के लिए 9 प्रतिशत तथा अन्य दूसरे राज्यों से प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों को 10 प्रतिशत कागज दिया जायेगा। नेपा अखबारी कागज के मामले में 9 प्रतिशत क्षतिपूर्ति एक समान होगी। बहुत रंगीन छपाई का इस्तेमाल करने वाले नियतकालिक पत्रों को सामान्य से 2 प्रतिशत अधिक उस छपाई में छीजन की क्षतिपूर्ति के लिए दिया जाएगा।

### 4. बिचिब

4.1 आयातित अखबारी कागज वितरण का कार्य पूर्णतया राज्य व्यापार निगम द्वारा किया जाएगा। भारत के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार सभी समाचार पत्र आवेदकों की पूरी हकदारी विधिवत तय करके राज्य

व्यापार निगम को देगा, जो आयातित अखबारी कागज हाई-सी-सेल्स या बफर में अनुच्छेद 2.3 के अन्तर्गत—प्रवर्धित आर्डर के अनुसार देगा।

4.2 अखबारी कागज आर्डर नीति या अखबारी कागज नियंत्रण आदेश या दोनों के आदेशों का अनुपालन न करने वाले समाचार पत्रों को उस समय तक अखबारी कागज का कोटा मजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि वह आदेशों का ठीक तरह से पालन नहीं करते या अखबारी कागज व्यापारी अगर अखबारी कागज नियंत्रण आदेश के आदेशों का पालन नहीं करते हैं तो उन्हें हाई-सी-सेल्स आवात प्राधिकृत एजेंट के रूप में कागज की डिलीवरी की इजाजत नहीं दी जाएगी।

4.3 जो समाचार-पत्र अपना आर्डर हाई-सी-सेल्स या बफर स्टॉक या देशी स्रोतों में आर्डर आर्डर मिलने के तीन महीने के अन्दर नहीं उठाते वे समाचार पत्र आगे आयातित कागज या। इन्स्टॉक का प्राधिकरण खोने के लिए उत्तरदायी होंगे।

4.4 जिन समाचार-पत्रों/नियतकालिक पत्रों को हाई-सी-सेल्स के आधार पर आर्डर दिया जाता है उनको राज्य लघु उद्योग कारपोरेशन के द्वारा या प्राधिकृत एजेंट के द्वारा भी डिलीवरी लेने की इजाजत होगी। हाई-सी-सेल्स की डिलीवरी विदेशों में या घर द्वारा कम से कम बुकिंग मात्रा के अधीन होगी। ऐसे छोटे समाचार पत्र जो हाई-सी-सेल्स की इस शर्त को पूरा नहीं करते तथा अपनी हकदारी बहुत कम होने के कारण इस व्यवस्था के अन्तर्गत शामिल नहीं किये जा सकते वे समाचार पत्र दूसरे छोटे समाचारपत्रों के साथ अपनी हकदारी बिना सकते हैं और अखबारी कागज हाई-सी-सेल्स में राज्य लघु उद्योग विकास निगम (या ऐसी कोई अन्य निगम जो राज्य में कार्य करते हैं) द्वारा या उनके लिए कार्य कर रहे प्राधिकृत एजेंटों की मार्फत ले सकते हैं।

4.5 नेपा मिल चूँकि एक बैग से कम भेजने की स्थिति में नहीं है, इसलिए कम मात्रा वाले आदेशों को उते आर्डर नेपा अखबारी कागज के परिवहन की व्यवस्था अपने आप करनी पड़ेगी।

4.6 समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र का इस नीति के अन्तर्गत आर्डर अधिकृत अखबारी कागज का कोटा उसी समाचार-पत्र/नियतकालिकपत्र के नए संस्करण के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है तथा इस प्रकार प्रयुक्त अखबारी कागज की गणना अलग से की जायेगी। उपर्युक्त प्रयोजन के लिए संस्करण वह समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र है, जिसे उसका प्रकाशन स्थान कोई भी हो उसका शीर्षक वही हो उसी भाषा में हो तथा प्राबधिकता वही हो जो उसी प्रबन्ध द्वारा पहले ही प्रकाशित किए जा रहे समाचारपत्र/नियतकालिकपत्र की है और पुनः मुद्रण, समय के कारण तथा शीघ्र वितरण और वर्तमान स्थानीय पाठकों को जल्दतों की पूर्ति के लिए अतिरिक्त उस समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र की अल्प छपाई हो।

4.7 कार्य-सम्पादन के प्रमाण के लिए 2000 प्रतियाँ तक प्रति अंक सर्कुलेशन वाले पत्र के प्रकाशन को चारटर्ड एकाउण्टेंट का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करना पड़ेगा। अन्य पत्रों को यह प्रमाणपत्र भेजना अपेक्षित होगा।

4.8 नये समाचार-पत्रों को उनके प्रारम्भिक कोटा के 10 प्रतिशत मूल्य के बराबर की बैंक गारन्टी जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

4.9 आवेदक को इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक 2 में पिछले लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान औसत सरकूलेशन, औसत पृष्ठ क्षेत्र तथा छापी गयी पृष्ठों की संख्या भरनी चाहिए।

4.10 समाचार पत्रों द्वारा 1977-78 में खरब/शेष मात्रा के स्टॉक को निश्चित करने के लिए निर्यात प्रोन्नति इत्यादि के अन्तर्गत 1977-78 में प्राप्त किया गया प्रखबारी कागज भी हिसाब में लिया जाएगा। इन प्रयोजन के लिए इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक III में सूचित करना चाहिए।

4.11 प्रखबारी कागज के आवंटन/खपत का हिसाब लगाने के लिए समाचार-पत्र की मुफ्त वितरण की गई प्रतियों, बिना बिक्री लौटाई गई प्रतियां और ऐसी प्रतियों का भी हिसाब लगाया जाएगा जो न तो मुफ्त दी गई हैं और न ही बिक्री हैं, वगैरह इसकी मात्रा मुद्रण आवेश के उचित प्रतिशत के अनुसार हो और किसी भी हानि से निम्नलिखित सीमाओं

से अधिक हो —

प्रसार	दैनिक सप्ताह में तीन बार प्रकाशित और सप्ताह में दो बार प्रकाशित पत्र	साप्ताहिक और पत्रिका	मासिक व्रतमासिक और अन्य
2,500 तक	10 प्रतिशत	20 प्रतिशत	25 प्रतिशत
2,500 और 5000 के बीच	10 प्रतिशत	15 प्रतिशत	20 प्रतिशत
5,000 और 10,000 के बीच	10 प्रतिशत	10 प्रतिशत	15 प्रतिशत
10,000 से अधिक	5 प्रतिशत	5 प्रतिशत	10 प्रतिशत

4.12 भारत के समाचार-पत्रों के रजिस्ट्रार के कार्यालय में प्रखबारी कागज के आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 1978 होगी।

4.13 जहां आवेदन पत्र औपचारिक रूप से पूर्ण नहीं है या उक्त लिखित किसी टिप्पणी का अनुपालन नहीं करता, समाचारपत्रों के रजिस्ट्रार मामले के प्रक्रिया संबंधी आवश्यकताओं को ठीक और बिधि मार्य कारणों से सकते हैं। समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार का निर्णय अंतिम होगा।

#### अनुलग्नक—2

अप्रैल 1977-—मार्च 1978 की अवधि के लिए प्रसार संख्या आदि के संबंध में चार्टर्ड एकाउंटेंट के प्रमाण-पत्र के लिए

(यह प्रमाण-पत्र चार्टर्ड एकाउंटेंट के सरनामे पर टाइप किया जाए)

1. समाचार-पत्र/नियत कालिक पत्र का नाम

3. भाषा

2. प्रकाशन का स्थान

4. आवर्तिता पीरियोडिसिटी

अप्रैल 77	मई 77	जून 77	जुलाई 77	अगस्त 77	सितम्बर 77	अक्टूबर 77	नवम्बर 77	दिसम्बर 77	जनवरी 78	फरवरी 78	मार्च 78	1-4-77 से 31-12-78 तक की अवधि का औसत
-----------	-------	--------	----------	----------	------------	------------	-----------	------------	----------	----------	----------	--------------------------------------

क— 1-4-77 से

31-3-78 तक प्रति प्रकाशन दिवस के हिसाब से छापी गई प्रतियों की औसत संख्या "माहवार"

ख— 1-4-77 से 31-3-78

तक प्रति प्रकाशन दिवस के हिसाब से बेची गई प्रतियों की औसत संख्या "माहवार"

ग. 1-4-77 से 31-3-78

तक प्रति प्रकाशन दिवस के हिसाब से मुफ्त बांटी गई प्रतियों (मानार्थ बाउचर, विनिमय, धोमस,

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अग. स	सितम्बर	अक्तूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	1-4-77 से
77	77	77	77	77	77	77	77	77	78	78	78	31-3-78 तक
												की अवधि की
												श्रीसत

नमूने और कार्यालय)  
प्रतियों समेत की श्रीसत  
संख्या (माहवार)

ब. अनुबन्धकी और अन्य  
मुद्रित प्रतियों की  
श्रीसत संख्या (माह-  
वार) जो (ख) 5  
(ग) में शामिल है।  
की गई।

ड. 1-4-77 से 31-3-78  
तक समाचार/नियत-  
कालिक पत्र के पृष्ठों  
का ग्रीक अक्षर  
"थर्मो-मीटर से"  
माहवार

1-4-77 से 31-3-78  
तक प्रतिप्रकाशन  
दिवस के हिसाब से  
समाचार पत्र/नियत-  
कालिक पत्र के पृष्ठों  
की श्रीसत संख्या  
"माहवार"

छ. 1-4-77 से  
31-3-78 तक प्रकाशन  
दिवसों की वास्तविक  
संख्या "माहवार"

प्रकाशक के हस्ताक्षर-----

तिथि -----

#### चार्टर्ड एकाउंटेंट का प्रमाण पत्र

मैंने/हमने 1-4-77 से 31-3-78 तक की अवधि तक-----से प्रकाशित-----  
(पत्र का नाम, भाषा और आविष्टता) के हिसाब किताब की जांच करली है और अपने लिए आवश्यक सभी जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिया है।  
मेरे/हमारे विचार से 1-4-77 से 31-3-78 तक की अवधि के लिए दिया गया उपरोक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास तथा हिमायत किताब  
आदि से मुझे/हमें दिखाए गए विवरण के अनुसार प्रसार संख्या, पृष्ठों की संख्या, आकार और प्रकाशन दिवसों की संख्या का सही विवरण है।

तारीख

हस्ताक्षर-----

चार्टर्ड एकाउंटेंट की मुहर

1. प्रमाण-पत्र देने वाले व्यक्ति का नाम तथा हस्ताक्षर-----

2. पंजीकरण संख्या-----

3. पता-----

टिप्पणी.--यदि माहवारी श्रीसत प्रसार संख्या 2000 प्रतियों से अधिक हो तो उससे प्रत्येक प्रकाशन दिवस के हिसाब से मुद्रित, बेची गई, मुद्रित  
बांटी गई आदि प्रतियों की श्रीसत संख्या, पृष्ठ संख्या और पृष्ठ के बारे में चार्टर्ड एकाउंटेंट का प्रमाण पत्र दिया जाना चाहिए। यदि  
माहवारी प्रसार संख्या 2000 प्रतिमा या इससे कम हो तो उपरोक्त अनुलग्नक का विवरण प्रकाशक के हस्ताक्षर से ही भेजा जाना चाहिए।

अनुलग्नक—3

(1-4-77 से 31-3-78 की अवधि के दौरान समाचार पत्रों/नियतकालिक पत्रों के प्रकाशन में अखबारी कागज की खपत का विवरण।)

क्रम सं०	पत्र का नाम, भाषा आवृत्ति और प्रकाशन का स्थान	ग्लेज्ड		अखबारी कागज की खपत टनो में				
		ग्राम	ग्राम	रोटोग्रावर	अनग्लेज्ड "आयातित"	नेपा	कुल	अभ्युक्तिया
1	2	3	4	5	6	7	8	9
प्रकाशक के हस्ताक्षर—								
पूरा नाम—								
स्थान—								
तिथि—								

टिप्पणी—नियमित हकदारी और नियत प्रोत्साहन संबंधी हकदारी से संबंधित अखबारी कागज की खपत का विवरण कृपया अलग से दें।

[का० सं० 33/42/78-पी०आर०-एन०पी०]

आर० के० शास्त्री, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

PUBLIC NOTICE NO. 1-PR-NP/78

New Delhi, the 7th July, 1978

In terms of paras 218 and 219 of Chapter-X of the Handbook of Import-Export Procedures for 1978-79, Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify the basis of entitlement to newspapers/periodicals. The basis of entitlement is contained in Annexure I to III of this Public Notice and shall be applicable from 1st April, 1978 to March 31, 1979.

## Newsprint Allocation Policy for 1978-79

## ANNEXURE I

## 1. Entitlement

1.1. Newsprint entitlement of an individual newspaper/periodical will be based on its consumption of newsprint or white printing paper or both in 1977-78 increased by 5 per cent.

1.2. While the entitlement as worked out above will be the base quota, it will be open to newspapers/periodicals to apply for extra allotment depending on actual consumption. Such applications will be considered twice during the year. Applications should be accompanied by a Chartered Accountant's Certificate of actual consumption. Extra allotments will be made subject to availability of newsprint.

1.3. If on verification it is found that the circulation of a newspaper/periodical is less than that claimed, entitlement will be revised accordingly.

1.4. No quota will be admissible to a newspaper/periodical which is unable, at any time when called upon to do so, to establish any circulation at all. Any newsprint released will also have to be returned.

1.5. The entitlement of newspapers/periodicals for standard newsprint as also Nepa newsprint will be worked out on the basis of 53 grammes substance plus or minus 5 per cent. The entitlement of newspaper/periodical, if allotted in Nepa newsprint, will be increased by 15 per cent.

## 2. Allocation

2.1. Allotment in all categories—standard roto and glazed—will be made in reels only. An additional quantity of 10 per cent for conversion of reels into sheets will be allowed to newspapers which have to cut reels into sheets. This

benefit will be available only to those newspapers which give proof that printing is carried out only in sheets.

2.2. Periodicals which have been in existence for more than three months will be allowed to claim their full entitlement or a portion of it in glazed or roto gravure newsprint subject to availability.

2.3. The basis of allocation of indigenous and imported newsprint will be as follows:—

(i) Newspapers with an entitlement of up to 400 MT will have the option to lift any proportion of their requirement from Nepa or imported—both from high sea sales as well as buffer.

(ii)(a) Newspapers having an entitlement of over 400 MT will have to lift 15 per cent of their entitlement from Nepa compulsorily.

(b) The remaining quantities will be met from imported newsprint on high sea sales or from the buffer as per requirement of the newspapers in consultation with STC.

(There will be no compulsion in lifting a certain proportion of newsprint stocks from the buffer. However, this arrangement will be reviewed after a period of six months by the Ministry of Information and Broadcasting.)

The actual allocations will be subject to availability of newsprint and in case of shortfalls, appropriate cuts will be made. The Registrar of Newspapers may also vary the proportion of NEPA imported newsprint in the light of availability/stocks from time to time. Newspapers/periodicals will have to take NEPA newsprint in sizes that are made available.

2.4. New newspapers/periodicals may be issued newsprint according to requirements indicated by them. But the maximum initial quota that can thus be issued will cover four months' requirements calculated on the basis of circulation of 10,000 copies of 8 standard pages for dailies and 10,000 copies of 16 standard pages for periodicals. The newspapers/periodicals can come up for allotment of more newsprint after submitting performance particulars for the consumption of newsprint for the first three months. It may come up even earlier for further allocation of newsprint with performance particulars if it consumes the initial quota before the expiry of the three months period.

Existing newspapers which did not apply for newsprint in 1977-78 or were not allocated any newsprint quota during

1977-78 will be deemed to be new newspapers and will be treated as such.

### 3. Wastage

3.1. For wastage in transit and/or machine room, compensation for imported newsprint will be allowed at 8 per cent to newspapers published from port towns of Bombay, Calcutta, Cochin and Madras (where STC has godowns); at 9 per cent to newspapers published from the States where these 4 towns are located and at 10 per cent to newspapers published from other States. In the case of Nepa newsprint, a uniform 9 per cent compensation will be allowed. In the case of periodicals using multi-coloured printing wastage compensation will be 2 per cent over the normal wastage allowed to them for that printing.

### 4. Miscellaneous

4.1. The work relating to distribution of imported newsprint will be handled entirely by the State Trading Corporation. The Registrar of Newspapers for India will give complete entitlements duly worked out of all the newspapers applicants to STC which in turn, will give imported newsprint either from high sea sales or from buffer in accordance with allocation determined as per para 2.3.

4.2. Newspapers which do not comply with the provisions of the Newsprint Allocation Policy or Newsprint Control Order or both will not be allowed newsprint quota until they comply with the provisions. Newsprint dealers will not be allowed to act as authorised agents for delivery on high sea sales if they do not comply with the provisions of the Newsprint Control Order.

4.3. Those newspapers which do not lift their allotments from high sea sales or buffer stocks or from indigenous sources within a period of three months of the receipt of the allocation order, will be liable to lose further authorisation either on imported newsprint or on NEPA stock.

4.4. Newspapers/periodicals which are given allotment on high sea sales basis, will be allowed to take delivery also through the States Small Industries Development Corporations or through authorised agents. Delivery on high sea sales basis will be subject to the minimum quantity booked by the foreign supplier. Small newspapers who do not fulfil this condition of high sea sales allocations because their entitlement is too small to be covered by that arrangements, can club their entitlement with other small newspapers and get the newsprint from high sea sales through either the State Small Industries Development Corporation (or any other such Corporation functioning in the State) or through authorised agents acting on their behalf.

4.5. Since Nepa Mills are not in a position to despatch consignment of less than one wagon load, allottees of smaller quantities will have to make their own arrangements for transport of Nepa newsprint allotted to them.

4.6. The authorised quota of newsprint allotted under this policy to a newspaper/periodical may be used for a new edition of the same newspaper/periodical and the newsprint if so used, shall be accounted for separately. For the above purpose an edition is a newspaper/periodical which irres-

pective of the place of publication, bears the same title, is in the same language and has the same periodicity as the newspaper/periodical already being published by the same management and is a reprint, separate run of the newspaper or periodical with variations for the time factor and for meeting requirements of existing local readership and speedier distribution.

4.7. Publishers of newspapers/periodicals with circulation of up to 2,000 copies per publishing day will not be required to submit chartered accountant's certificate regarding proof of performance. Others, however, will be required to submit such certificate.

4.8. New newspapers will not be required to deposit bank guarantee equivalent to the value of 10 per cent of their initial quota.

4.9. Applicants should fill in Annexure II to this Public Notice regarding average circulation, average page area and number of pages printed during the previous licensing year.

4.10. Newsprint obtained in 1977-78 under the scheme for Export Promotion etc. will also be taken into account for determining quantity utilised/held in stock by the newspapers in 1977-78. For this purpose, information should be furnished in Annexure III to this Public Notice.

4.11. The number of copies distributed free, unsold returns or any other copies printed but neither sold nor distributed free will be taken into consideration for the purpose of allotment/consumption of newsprint, provided these represent a reasonable percentage of the print order and not in any case exceeding the following limits :—

Circulation	Dailies	Weeklies	Monthlies
	tri-and bi-weeklies	and fortnightlies	quarterlies and others
Upto 2,500 ....	10%	20%	25%
Between 2,500 and 5,000 ....	10%	10%	20%
Between 5,000 and 9,999 ....	10%	10%	15%
Above 10,000 ....	5%	5%	10%

4.12. The last date for the receipt of applications of newsprint in the Office of the Registrar of Newspapers for India will be 31st October, 1978.

4.13. In case where an application is not formally complete or does not comply with any of the requirements above the Registrar of Newspapers may waive the procedural requirements for good and valid reasons. The decision of the Registrar of Newspapers will be final.

## ANNEXURE II

Form of Chartered Accountant Certificate regarding circulation etc. for the period April 1977—March 1978

(To be typed on the letter-head of the Chartered Accountant)

1. Name of the Newspaper/Periodical.

3. Language.

2. Place of Publication.

4. Periodicity.

	April	May	June	July	August	Sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Jan.	Feb.	Mar.	Average
	77	77	77	77	77	77	77	77	77	78	78	78	for the
													period
													from
													1-4-77
													to
													31-3-78

(a) Average No. of copies printed monthwise, per publishing day from 1-4-77 to 31-3-1978.

(b) Average No. of copies sold, monthwise, per publishing day from 1-4-77 to 31-3-1978.

(c) Average No. of copies distributed free, monthwise per publishing day (including complimentary, voucher, exchange, bonus, sample and office copies) from 1-4-1977 to 31-3-1978.

(d) Average No. of monthwise unsold returns and other printed copies but not included in (b) and (c).

(e) Average size of the page monthwise, of the newspaper/periodical in sq. Cms. from 1-4-1977 to 31-3-1978.

(f) Average number of pages, monthwise, of newspaper/periodical per publishing day from 1-4-1977 to 31-3-1978.

(g) Actual number of publishing days, monthwise from 1-4-1977 to 31-3-1978.

Signature of the Publisher

Date

## CERTIFICATE OF THE CHARTERED ACCOUNTANT

I/We have examined the books and account of

(Name of the paper, Language and periodicity)

published from (Address) for the period 1-4-1977 to 31-3-1978 and have obtained all the information and explanations required by us. In my/our opinion the statement set forth above reflects true and correct analysis of circulation, pages, size and number of publishing days for the period from 1-4-1977 to 31-3-1978

to the best of my/our information and belief and according to the explanation given to me/us by the books of account etc.

Date \_\_\_\_\_

Signature \_\_\_\_\_

Stamp of the Chartered Accountant \_\_\_\_\_

1. Name and signature of the person who has signed the certificate \_\_\_\_\_
2. Registration No. \_\_\_\_\_
3. Address \_\_\_\_\_

N B. The Chartered Accountant's Certificate regarding average circulation per publishing day showing separately, the average number of copies printed, sold and distributed free etc., number of pages and page-area should be furnished, if monthwise average circulation exceeds 2 000 copies. If the monthwise average circulation is 2,000 copies or below, particulars in the above Annexure should be furnished under the signature of the Publisher.

#### ANNEXURE III

Statement showing consumption of newsprint for publication of newspapers/periodicals during the period from 1-4-1977 to 31-3-1978

S. No.	Title of the paper, its language, periodicity and place of publication	Consumption of newsprint (in tonnes)						Remarks
		Gms.	Glazed Gms.	Rotogravure	Unglazed (imported)	Ncpa	Total	
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Signature of the publisher \_\_\_\_\_

Name in block letters \_\_\_\_\_

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

NOTE: Consumption of newsprint against regular entitlements and export promotion entitlement to be furnished separately.

[F. No. 33(42)/78-PR-NP]

R.K. SHASTRI, Jt. Secy.